महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

- वर्ष -3
- अंक-23
- जून -2025

आईएसबीएन : 000-00-0000-000-0

University Email-mguniversitygkp@mgug.ac.in

NSS Email-coordinator.nss@mgug.ac.in

NCC Email-ncc@mgug.ac.in

Editors :

Dr. Akhilesh Kumar Dubey (Chief Editor)
Dr. Sandeep Kumar Srivastava (Co-Editor)

© **Editors**

Edition : 2025

Pages : 33

Size : A4

Paper Quality (GSM) : NIL (Only Electronic)

Published by :

Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur

Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur,

Uttar Pradesh-273007

Tel. : +9999764424, 8765005177

E-mail : mguniversitygkp@mgug.ac.in

राष्ट्रीय सेवा योजना

विश्व पर्यावरण दिवस

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण करतें विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह, रा.से.यो. समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे एवं स्वयंसेवक स्वयंसेविकाएं

दिनांकः 05 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के स्वयंसेवकों द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री, परम पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के जन्मदिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने पौधे लगाकर प्रकृति के संरक्षण के साथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं यशस्वी मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश परमपूज्य श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के स्वस्थ दीर्घायु जीवन की कामना किया।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह जी ने माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के जन्मदिवस और विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हम सभी को उनके जीवन लक्ष्य से प्रेरणा ग्रहण करना चाहिए, आज पूरा विश्व पर्यावरण की समस्या से जूझ रहा है पर्यावरण संतुलन और प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए जरूरी है कि हम अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करने का संकल्प लें। हमारे पुराणों में उल्लेखित है कि एक वृक्ष दस पुत्र के समान होता हैं।

पौधारोपण कार्यक्रम में श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने स्वयंसेवकों को 'प्लास्टिक का प्रयोग न करने एवं नशा मुक्त समाज निर्माण' और पर्यावरण संरक्षण का शपथ दिलायी और कहा कि पेड़ों के अंधाधुंध कटाव से धरती वृक्षहीन होती जा रही है जन–जन को एक–एक वृक्ष लगाने के प्रयास करना चाहिए। यह आयोजन न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, बल्कि युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी उत्पन्न करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान करने की पहल हमें करनी होगी जिससे भविष्य में आने वाले पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण दिया जा सके। विश्वविद्यालय के सभी स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि एक पेड़ अपनी मां के नाम पर अपने घर या अपने आस पास लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प ले।

राष्ट्रीय कैडेट कोर के एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पेड़ प्रकृति का छाता है अगर इसे हमने काट दिया तो प्रकृति की छांव से पूरी धरती वीरान हो जाएगी। प्रकृति के प्रति हमें संवेदनशील होना होगा। जमीनी स्तर पर हमें पौधारोपण करना होगा नहीं तो प्रकृति के कोप दुष्परिणाम से हमारे भावी पीढ़ी को झेलना होगा। आयोजन प्रमुख रूप से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के निर्देशन में संम्पन कराया गया।

कार्यक्रम में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की अधिष्ठाता डॉ. डीएस अजीथा, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील सिंह, पैरामेडिकल के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. मिनी के. डॉ. धीरेन्द्र सिंह, डॉ. प्रेरणा अदिति, सृष्टि यदुवंशी, सुश्री रश्मि शाही, अनुकृति राज, कार्यक्रम अधिकारी श्रीनाथ आर. ,वैशाख आर., श्री साध्वी नन्दन पाण्डेय, श्री अनिल कुमार पटेल, श्री धीरज कुमार, श्रीमती रश्मि झा, कार्यक्रम में एनएसएस के स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। वृक्षारोपण करने वाले प्रमुख स्वयंसेवकों में आयुषी पाण्डेय, हर्षिता सिंह, साक्षी, राज साहनी, जानवी मिश्रा, निखिल, नितिन, नंदिनी, सौरभ, अंशिका राय, आकृति सिंह, नंदिनी तिवारी, सृष्टि दूबे, प्रशांत, करन भारती, आयुषी, आरती, किशन अनुराग, सुमित, उर्मिला नेंना, कैडेट अर्पिता राय, शिखर पाण्डेय, अभिषेक मिश्रा, खुशी गुप्ता, सागर जायसवाल इत्यादि शामिल रहें।

विश्व पर्यावरण दिवस

मैत्रेयी इकाई

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण करतें मैत्रेयी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवक स्वयंसेविकाएं

दिनांकः 05 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालयए गोरखपुर के अंतर्गत नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की मैत्रेयी इकाई द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर 'हमारी धरती। हमारा भविष्य। हम हैं पुनर्स्थापना की पीढ़ी', विषय के अनुरुप वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अधिष्ठाता, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय डॉ. डी. एस. अजीथा ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

उन्होंने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण एवं भूमि पुनर्स्थापना के महत्व को रेखांकित करते हुए युवाओं से प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलने का आह्वान किया। स्वयंसेविका प्राची, अमृता, समीक्षा, रिंकी, रितिका, मोना एवं उन्नति द्वारा भी पर्यावरण जागरूकता का संदेश देते हुए पौधारोपण किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन मैत्रेयी इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री गरिमा पाण्डेय के नेतृत्व में हुआ।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व निभाने एवं सतत विकास की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया।

विश्व पर्यावरण दिवस

शिवाजी इकाई

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण करतें शिवाजी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवक स्वयंसेविकाएं

दिनांकः 05 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो.. सुनील सिंह; अधिष्ठाताए सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, एवं डॉ. अखिलेश कुमार दूबे राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक द्वारा पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

स्वयंसेवक प्रशांत, सृष्टि दूबे एवं करन भारत ने भी वृक्षारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त किया। पौधरोपण शिवाजी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल कुमार पटेल के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। उन्होंने वृक्षारोपण के महत्व को रेखांकित करते हुए स्वयंसेवकों को पर्यावरणीय पुनर्स्थापना हेतु प्रेरित किया।

विश्व पर्यावरण दिवस

आर्यभट्ट इकाई

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण करतें आर्यभट्ट इकाई के कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवक स्वयंसेविकाएं

दिनांकः 05 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. सुनील सिंह अधिष्ठाता, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय एवं डॉ. अखिलेश कुमार दूबे राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक द्वारा पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

स्वयंसेवक प्रशांत, स्वास्तिक, आयुषी, हर्षिता सिंह, साक्षी, राज साहनी, जान्हवी, निखिल, नितिन, नंदिनी सौरभ, अंशिका, आकृति और नंदिनी तिवारी ने भी वृक्षारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

यह कार्यक्रम आर्यभट्ट इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ॰रश्मि झा के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

उन्होंने वृक्षारोपण के महत्व को रेखांकित करते हुए स्वयंसेवकों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

विश्व पर्यावरण दिवस

महंत अवेद्यनाथ इकाई

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण करतें स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

दिनांकः 05 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के महंत अवेद्यनाथ इकाई द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. डी. एस. अजीथा (अधिष्ठाता), डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव, प्रधानाचर्य एवं डॉ. अखिलेश द्वारा पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

स्वयंसेवक आयुषी चौबे, आरती सिंह, अनुराग, किशन यादव, सुमित कुमार, उर्मिला, नैना, पूजा, सूरज मिश्रा, रोहित पटेल, तृप्ति यादव, निशा यादव, नीतू यादव, रामनाथ, विनय कुमार ने भी वृक्षारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

यह कार्यक्रम महंत अवेद्यनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी धीरज कुमार के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। उन्होंने वृक्षारोपण के महत्व को रेखांकित करते हुए स्वयंसेवकों को पर्यावरणीय पुनर्स्थापना हेतु प्रेरित किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025

मैत्रेयी इकाई

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दुर्गापुर ग्राम में बच्चों को योगाभ्यास का प्रशिक्षण कराती नर्सिंग की छात्राएं

दिनांकः 15 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस– 2025 की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' (Yoga for One Earth, One Health) के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा योग सप्ताह के अंतर्गत जनहित एवं जागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया।

हरित योग कार्यक्रम ग्राम दुर्गापुर में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना की मैत्रेयी इकाई द्वारा ग्राम दुर्गापुर में हरित योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य योग, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से ग्रामवासियों में 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' की भावना को जागृत करना रहा। प्रमुख गतिविधियो में 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' वृक्षारोपण अभियानः स्वयंसेवक अमृता, मेराज, अंकित, समीक्षा, रितिका, प्रियंका, यशोदा एवं अंकिता मणि त्रिपाठी ने ग्राम में वृक्षारोपण कर पर्यावरणीय संतुलन और हरित जीवनशैली को प्रोत्साहित किया।

स्वच्छता जागरूकता अभियानः संयोगिता, अंजलि, खुशी, अभिषेक, करन, अरविन्द, काम्या एवं लक्ष्मी के नेतृत्व में ग्रामवासियों को स्वच्छता, साफ जल और पर्यावरणीय स्वच्छता के महत्व पर जागरूक किया गया।

योग जागरूकता सत्रः स्वयंसेविकाएँ एकता, अर्पिता, साम्भवी एवं अंशिका के नेतृत्व में 40 स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने ग्रामवासियों को योग के दैनिक अभ्यास, प्राणायाम, ध्यान एवं जीवनशैली सुधार के महत्व से अवगत कराया गया।

ग्रामवासियों को योग का अभ्यास कराया तथा प्रतिदन नियमित रूप से योग करने के लिए लोगो को प्रेरित किया, साथ ही सभी को आगामी 21 जून 2025 को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया।

हरित योग शिविर कार्यक्रम में इकाई के कुल 100 स्वयंसेवक उपस्थित रहें यह संपूर्ण कार्यक्रम मैत्रेयी इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री गरिमा पाण्डेय के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

अतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 : प्रथम दिवस

मैत्रेयी इकाई

पौधरोपण करते हुए स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

राष्ट्रीय सेवा योजना
मैत्रीय इकाई
नर्सिंग संकाय

GPS Map Camera
Devipur, Uttar Pradesh, India
V97c+2fp, Devipur, Uttar Pradesh 273007, India
Lat 26.862696° Long 83.370857°
15/06/2025 10:56 AM GMT +05:30

YOGA

YOGA

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 प्रथम दिवस

अष्टावक्र,आत्रेय एवं भारद्वाज इकाई

योगाभ्यास करते हुए स्वयंसेवक एवं प्राध्यापकगण

दिनांकः 15 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद संकाय) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र आत्रेय एवं भारद्वाज इकाई के द्वारा पंचकर्म ऑडिटोरियम में योग सप्ताह के प्रथम दिवस में योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया।

योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वैशाख आर, डॉ. धन्या नायर और योगाचार्य चंद्रजीत यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

इस योग सत्र में बी. ए.एम. एस. में संचालित तीनो इकाई के स्वयंसेवकों एवं छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न योग आसनों और प्राणायाम का अभ्यास किया। इस सत्र का उद्देश्य छात्रों को योग के महत्व और इसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक करना था।

अतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 : द्वितीय दिवस

अष्टावक्र, आत्रेय एवं भारद्वाज इकाई

योगाभ्यास करते हुए स्वयंसेवक एवं प्राध्यापकगण

दिनांकः 16 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद संकाय) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र, आत्रेय एवं भारद्वाज इकाइयों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह सप्ताह के द्वितीय दिवस पर पंचकर्म ऑडिटोरियम में योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. वैशाख आर, डॉ. जितेन्द्र मिश्रा एवं योगाचार्य चंद्रजीत यादव के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

योग सत्र में तीनों इकाइयों के स्वयंसेवकों के साथ–साथ आयुर्वेद कॉलेज के छात्र एवं शिक्षकगणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को योग के महत्व एवं इसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक करना था। योगाचार्य द्वारा विभिन्न आसनों एवं प्राणायाम की व्यावहारिक प्रस्तुति दी गई, जिससे प्रतिभागियों को योग को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त हुई।

भाषण प्रतियोगिता

माता अनुसुईया इकाई

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती स्वयंसेविका

दिनांकः 16 जून, 2025 महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की माता अनुसुईया इकाई द्वारा 'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वयंसेविका निधि यादव द्वारा योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किया गया। इसके पश्चात विभिन्न स्वयंसेवकों ने अपने. अपने विचार प्रस्तुत किया।

साधना चौधरी ने मानसिक योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अनुलोम– विलोम, भ्रामरी एवं कपालभाति जैसे योगाभ्यास मानसिक तनाव को कम करने में सहायक होते हैं।

सम्मी ने योग के माध्यम से शारीरिक लचीलापन प्राप्त होने की चर्चा की।

कृष्णा शाहू ने बताया कि योग से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है, जिससे अनेक बीमारियों से सुरक्षा मिलती है।

अंबिका ने अपने वक्तव्य में कहा कि योग केवल आसनों का अभ्यास नहीं, बल्कि यह एक सम्पूर्ण जीवनशैली है, जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को संतुलित करता है।

शालिनी सिंह ने 'योग एक्शन प्लान' पर चर्चा करते हुए सभी से आह्वान किया कि हमें अपने जीवन में योग को अपनाकर पृथ्वी के संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। 'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य' केवल एक नारा नहीं बल्कि हमारे जीवन का मूल आधार बनना चाहिए।

इसके अतिरिक्त अंजली, रजनी मिश्रा, शिखा यादव, माधुरी गुप्ता एवं शालिनी गुप्ता सहित माता अनुसुईया इकाई की अन्य स्वयंसेविकाओं ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। सभी स्वयंसेविकाओं की सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम अत्यंत प्रेरणादायक रहा।

निर्णायक मंडल में साक्षी प्रजापति, सौम्या एवं प्राची यादव ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम माता अनुसुईया इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुमन यादव के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।

भाषण प्रतियोगिता कार्यकम की सोशल मीडिया लिंक–

Twitter
https://x.com/NSSRDUPUK/status/1934558441743462645

Facebook
https://www.facebook.com/share/p/16gm5Bfm9M/

Instagram
https://www.instagram.com/p/DK9XYFUyOge/?utm_source=ig_web_copy_link&igsh=MzRlODBiNWFlZA==

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 : द्वितीय दिवस

अष्टावक्र, आत्रेय एवं भारद्वाज इकाई

योगाभ्यास करते हुए स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

दिनांकः 16 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद संकाय) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र, आत्रेय एवं भारद्वाज इकाइयों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह सप्ताह के द्वितीय दिवस पर पंचकर्म ऑडिटोरियम में योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. वैशाख आर, डॉ. जितेन्द्र मिश्रा एवं योगाचार्य चंद्रजीत यादव के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

योग सत्र में तीनों इकाइयों के स्वयंसेवकों के साथ–साथ आयुर्वेद कॉलेज के छात्र एवं शिक्षकगणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को योग के महत्व एवं इसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक करना था। योगाचार्य द्वारा विभिन्न आसनों एवं प्राणायाम की व्यावहारिक प्रस्तुति दी गई, जिससे प्रतिभागियों को योग को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त हुई।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 : द्वितीय दिवस

अष्टावक्र, आत्रेय एवं भारद्वाज इकाई

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि डॉ संचित शर्मा

दिनांकः 16 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना एवं आयुर्वेद कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में पंचकर्म ऑडिटोरियम में अपरान्ह 04:00 बजे से 07:00 बजे तक को विश्व आयुर्वेद मिशन एवं एमिल फार्मास्यूटिकल्स के सहयोग से एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का विषय था "जीवनशैली रोगों का प्रबंधन–एक व्यापक दृष्टिकोण", जिसमें विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञों और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने आयुर्वेद को "जीवन का वेद" बताते हुए इसके वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जीवनशैली सुधार में योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विभिन्न चिकित्सा प्रणालियों को परस्पर सहयोग के साथ मानव कल्याण हेतु कार्य करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की रोकथाम में स्वस्थ आहार, व्यायाम और प्राणायाम की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. जी. एस. तोमर ने दैनिक जीवन में आयुर्वेद को अपनाने की आवश्यकता को रेखांकित किया और इसे वैश्विक स्तर पर पहुँचाने की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. गिरिधर वेदांतम, प्राचार्य, आयुर्वेद कॉलेज द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुआ।

विशिष्ट अतिथि डॉ. संचित शर्मा (एमिल फार्मास्यूटिकल्स) ने अपने वक्तव्य में बताया कि उनकी संस्था मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापे जैसे जीवनशैली विकारों के प्रबंधन में प्रभावी अनुसंधान और औषध विकास पर कार्य कर रही है। उन्होंने बीजीआर–34 जैसी औषधियों के प्रभाव की जानकारी भी दी, जो टाइप–2 डायबिटीज के उपचार में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी विभागों के प्रमुख एवं विभिन्न संकायों के छात्रगण भी उपस्थित रहे, जिससे सेमिनार की वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक गरिमा और भी बढ़ गई।

कार्यक्रम का संचालन एवं मंच–सज्जा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं आयुर्वेद कॉलेज के छात्रों द्वारा सुचारु रूप से किया गया।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एन. आर. नवोदय राजू, एसोसिएट प्रोफेसर, क्रिया शरीर विभाग द्वारा किया गया, यह संगोष्ठी निःसंदेह आयुर्वेद एवं आधुनिक चिकित्सा के समन्वय से रोगों के प्रभावी प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई।

अष्टावक्र, आत्रेय एवं भारद्वाज इकाई

योगाभ्यास करते हुए स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

दिनांकः 17 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद संकाय) में राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र, आत्रेय एवं भारद्वाज इकाइयों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह सप्ताह के अंतर्गत योगाभ्यास सत्र का आयोजन प्रातः 6:00 बजे से 8:30 बजे तक पंचकर्म ऑडिटोरियम में किया गया।

इस योग सत्र का संचालन और मार्गदर्शन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वैशाख आर, डॉ. श्रीनाथ आर, डॉ. गुडीपुडी वी. एस. एस. एन. सार्वभौम (आयुर्वेद संकाय) तथा योगाचार्य श्री चंद्रजीत यादव द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक संतुलन प्राप्त करने के लिए विभिन्न योगिक क्रियाओं का अभ्यास करवाया।

इस सत्र में तीनों इकाइयों के स्वयंसेवक, आयुर्वेद कॉलेज के छात्र–छात्राएँ और शिक्षकगणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासनों जैसे ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम–विलोम आदि का अभ्यास किया।

इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को योग के महत्व और इसके शारीरिक एवं मानसिक लाभों के प्रति जागरूक करना था। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण जीवन शैली है, जो व्यक्ति के आंतरिक संतुलन, रोग प्रतिरोधक क्षमता और मानसिक शांति को बढ़ावा देती है।

यह योगाभ्यास सत्र अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य पूरे सप्ताह विश्वविद्यालय समुदाय को योग के सिद्धांतों, तकनीकों और लाभों से जोड़ना है। इस क्रम में यह सत्र विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा।

व्यावहारिक अभ्यास के साथ–साथ आध्यात्मिक और वैज्ञानिक पक्षों पर भी बल दिया गया। प्रशिक्षित योगाचार्य और अनुभवी आयुर्वेद विशेषज्ञों की उपस्थिति ने इस सत्र को अधिक प्रभावशाली और ज्ञानवर्धक बनाया।

अतंर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 :चतुर्थ दिवस

अष्टावक्र, आत्रेय एवं भारद्वाज इकाई

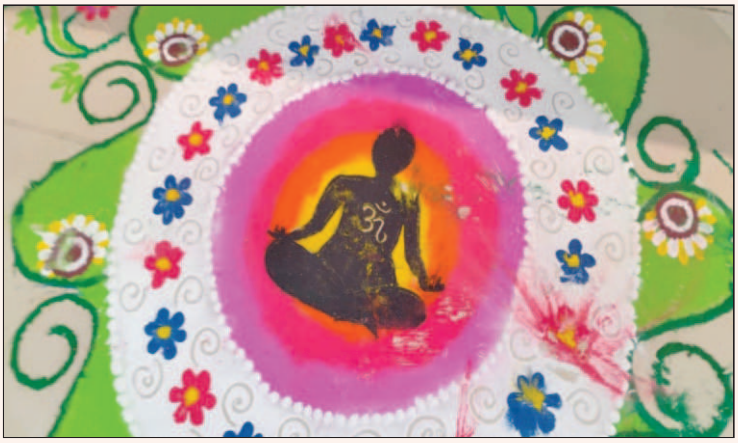

योगाभ्यास करते हुए स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

दिनांकः 18 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र, आत्रेय एवं भारद्वाज इकाइयों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह के चतुर्थ दिवस पर योग प्रोटोकॉल एवं योगाभ्यास सत्र का आयोजन पंचकर्म ऑडिटोरियम में किया गया।

इस सत्र का आयोजन एवं संचालन कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. वैशाख आर, डॉ. श्रीनाथ आर तथा योगाचार्य श्री चंद्रजीत यादव के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। योगाचार्य ने प्रतिभागियों को भारत सरकार के मानक कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार क्रमबद्ध अभ्यास करवाया, जिसमें सूक्ष्म व्यायाम, योगासन, प्राणायाम, ध्यान एवं शांति पाठ सम्मिलित थे। इस योग सत्र में तीनों इकाइयों के स्वयंसेवकों के साथ–साथ आयुर्वेद कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। सत्र में ताड़ासन, वज्रासन, भुजंगासन, शवासन, अनुलोम–विलोम, कपालभाति जैसे योग अभ्यासों को सम्मिलित किया गया।

इस योगाभ्यास सत्र का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को योग के महत्व के प्रति जागरूक बनाना, स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना और तनाव प्रबंधन, शारीरिक संतुलन एवं मानसिक शांति की ओर मार्गदर्शन देना। सत्र के अंत में प्रतिभागियों ने योग को नियमित जीवनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह के चौथे दिन के तहत एक सार्थक प्रयास था, जिसमें केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि योग की दार्शनिक और मानसिक गहराई पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। कॉमन योग प्रोटोकॉल के माध्यम से विद्यार्थियों को यह सिखाया गया कि योग केवल एक शारीरिक क्रिया नहीं, बल्कि जीवन के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण है। इस प्रकार का आयोजन विद्यार्थियों के जीवन में संतुलन, अनुशासन और जागरूकता को बढ़ाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होता है।

अतंर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 : पंचम दिवस

अष्टावक्र, आत्रेय एवं भारद्वाज इकाई

योगाभ्यास करते हुए स्वयंसेवक एवं स्वयंसेवक

दिनांकः 19 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कालेज में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक, आत्रेय, एवं भारद्वाज इकाई के द्वारा पंचकर्म सभागार में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह समारोह शिविर के पंचम दिवस पर प्रातःकाल 07:00 बजे सामान्य योग सत्र का सामूहिक अभ्यास कराया गया। इस योगाभ्यास में तीनो इकाई के स्वयंसेवक एवं आयुर्वेद कॉलेज के सभी छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम–विलोम आदि विभिन्न योग मुद्राओं एवं प्राणायामों का अभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आयुर्वेद और योग के समन्वय को प्रोत्साहित करना रहा।

योग अभ्यास के उपरांत, आयुर्वेद कॉलेज परिसर में तीनो इकाई के द्वारा एक योग विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी स्वयंसेवकों एवं छात्र–छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता दिखाई। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों की ज्ञान–संपन्नता, तथा योग संबंधी शास्त्रीय समझ को परखने हेतु आयोजित की गई थी। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वैशाख आर. और योगाचार्य चन्द्रजीत यादव ने किया।

शिविर प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांत, उप प्राचार्य डॉ. सुमित, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. विष्णु, डॉ. श्री लक्ष्मी, डॉ. जितेन्द्र, डॉ. नवोदय राजू, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. श्रीनाथ, सहित सभी प्राध्यापक और अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई और भारद्वाज इकाई के स्वयंसेवक तथा आयुर्वेद कॉलेज के विद्यार्थी और उपस्थित रहे।

अष्टावक्र, आत्रेय एवं भारद्वाज इकाई

योगाभ्यास करते हुए स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

दिनांकः 20 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र, आत्रेय, एवं भारद्वाज इकाई के द्वारा पंचकर्म सभागार में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह समारोह शिविर के पंचम दिवस पर प्रातःकाल 07:00 बजे सामान्य योग सत्र का सामूहिक अभ्यास कराया गया।

इस योगाभ्यास में तीनो इकाई के स्वयंसेवक एवं आयुर्वेद कॉलेज के सभी छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम–विलोम आदि विभिन्न योग मुद्राओं एवं प्राणायामों का अभ्यास किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आयुर्वेद और योग के समन्वय को प्रोत्साहित करना रहा। योगाभ्यास कार्यक्रम डॉ. वैशाख आर. डॉ. श्रीनाथ आर. श्री साध्वी नन्दन पाण्डेय के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

अतंर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 : षष्टम दिवस

आर्यभट्ट इकाई एवं शिवाजी इकाई

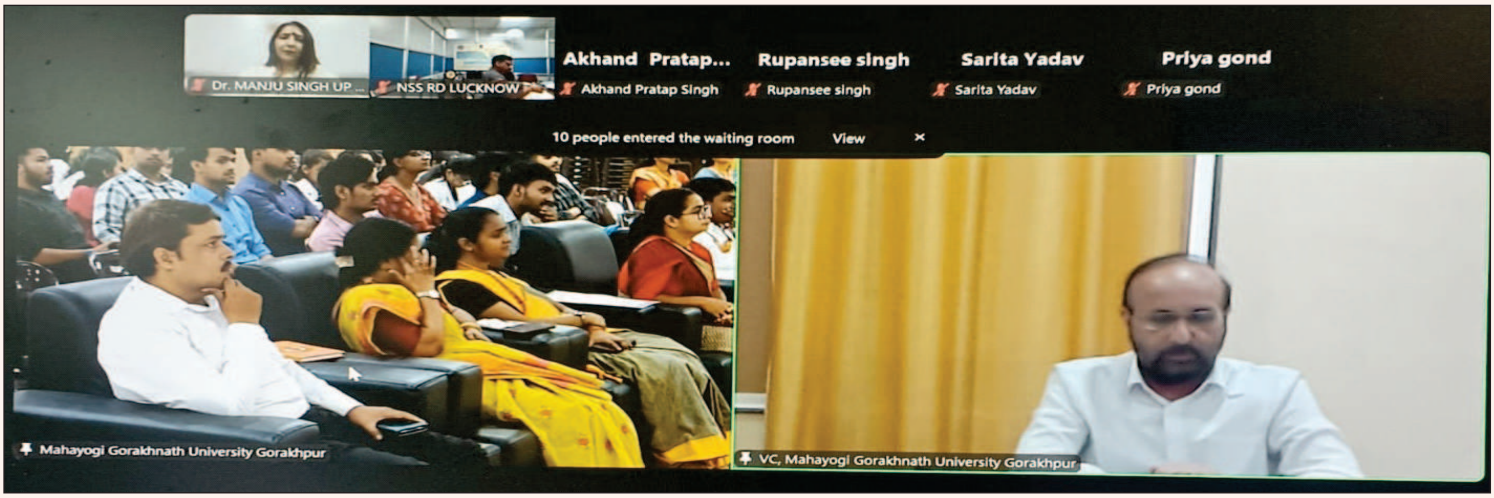

वेबिनार को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति

दिनांकः 20 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 जून 2025 को एक विशेष ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। यह वेबिनार "Yoga for One Earth, One Health" विषय पर आधारित था, जो योग सप्ताह (15 जून से 21 जून 2025) के अंतर्गत आयोजित वेबिनार की शुरुआत दोपहर 1:50 बजे प्रतिभागियों के जुड़ने के साथ हुई। संचालन एवं स्वागत भाषण डॉ. रश्मि झा द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिन्होंने योग के महत्व को रेखांकित करते हुए सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री समर दीप सक्सेना, क्षेत्रीय निदेशक, भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना उत्तर प्रदेश ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा योग न केवल शारीरिक अभ्यास है, बल्कि यह आंतरिक चेतना को जागृत करने का माध्यम है। विश्व में स्थायी शांति और सामूहिक कल्याण तभी संभव है जब प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हो। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की वैश्विक स्वीकृति की सराहना करते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें। उन्होंने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की योग सप्ताह पहल को अत्यंत सराहनीय बताया।

मुख्य वक्ता डॉ. योगेन्द्र तिवारी, सहायक आचार्य नेशनल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज बडहलगंज, गोरखपुर ने योग का वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य एवं चिकित्सा में उसकी भूमिका विषय पर गहराई से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि योग तनाव, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, अवसाद जैसी बीमारियों के नियंत्रण में अत्यंत प्रभावशाली है। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को स्थापित करती है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि शिक्षा प्रणाली में योग को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से एकीकृत किया जाए, तो एक सशक्त, स्वस्थ और जागरूक युवा पीढ़ी का निर्माण संभव है।

मुख्य अतिथि डॉ. मंजू सिंह, राज्य संपर्क अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, उत्तर प्रदेश शासन ने योग के सामाजिक और शैक्षणिक महत्व पर बल देते हुए कहा योग केवल शरीर की क्रिया नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है जो आत्मानुशासन, एकाग्रता और आंतरिक स्थिरता प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को योग को केवल एक कार्यक्रम के रूप में नहीं, बल्कि अपनी जीवनशैली का अंग बनाने की अपील की। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से योग को व्यापक स्तर पर प्रसारित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने अपने विस्तृत उद्बोधन में योग के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा योग भारत की प्राचीनतम वैज्ञानिक पद्धति है, जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन की भी कुंजी है। यह केवल व्यायाम का माध्यम नहीं, बल्कि आत्म-अनुशासन, चेतना और आत्मज्ञान की ओर एक यात्रा है। आज के तनावपूर्ण और प्रतिस्पर्धा-युक्त जीवन में योग अपनाना एक आवश्यकता बन गई है। जब मनुष्य अपने भीतर स्थिरता और शांति स्थापित करता है, तभी वह समाज और पर्यावरण के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकता है। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि विश्वविद्यालय स्तर पर योग को केवल गतिविधि के रूप में नहीं, बल्कि अकादमिक और व्यवहारिक शिक्षा के रूप में भी स्थान मिलना चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय में योग अनुसंधान, योग शिक्षक प्रशिक्षण एवं योग आधारित पाठ्यक्रमों को और अधिक सुदृढ़ करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है।

अंत में उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित इस सफल वेबिनार की प्रशंसा करते हुए सभी आयोजकों, विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया और भविष्य में इस प्रकार के आयोजनों की निरंतरता बनाए रखने का आश्वासन दिया कार्यक्रम में स्वयंसेविकाओं दीक्षा, खुशी उपाध्याय और प्रियांसी द्वारा योगाभ्यास का प्रदर्शन किया गया। समापन पर श्री अनिल कुमार द्वारा सभी अतिथियों, वक्ताओं, आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कार्यक्रम में आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डॉ. गिरधर वेदांतम, प्रो. मिनी के., डॉ. सुमित कुमार, कार्यक्रम अधिकारी धीरज कुमार, सध्वी नन्दन पाण्डेय, गरिमा पाण्डेय, सुमन यादव, श्रीनाथ आर. के साथ समस्त शिक्षक एवं स्वयसेवक उपस्थित रहे राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे ने बताया कि यह वेबिनार न केवल ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ, बल्कि छात्रों को योग के वैज्ञानिक, सांस्कृतिक और व्यवहारिक पक्षों से अवगत कराने का एक प्रभावशाली माध्यम भी बना।

योगाभ्यास करते हुए स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

दिनांकः 21 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को भव्य रूप से मनाया गया। योगाभ्यास का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, मुख्य अतिथि 102 यूपी बटालियन के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, डॉ गिरिधर वेदांतम ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कालेज और राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा संयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग अभ्यास कराया गया।

योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम–विलोम आदि विभिन्न योग मुद्राओं एवं प्राणायामों का अभ्यास कराया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर कहा कि योग तनाव से मुक्ति देता हैं, योग भारतीय संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्तर पर संतुलन बनाने की कला है।

वर्तमान परिवेश में नियमित योगा के अभ्यास जीवन जीने की संजीवनी देगा। भारतीय प्राचीन योग परंपरा की दिव्यता को जीवन में ग्रहण करने का के सौभाग्य हम सभी को मिला है। उत्तम स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ प्राण वायु की आवश्यकता है। जिसके लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर ने 11 हजार वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया है। हम सभी पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प लेकर अपने स्वास्थ्य के प्रति भी संवेदनशील होंगे, अन्तर्राष्ट्रीय योग को पूरे विश्व ने स्वीकार किया ।

योग हमें सिखाता है कि हम प्रकृति से अलग नहीं हैं, बल्कि उसी का हिस्सा हैं। वर्तमान युग में जहाँ जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, महामारी और मानसिक तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं, वही योग पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि योग में ध्यान, प्राणायाम और धारणा जैसी क्रियाएं मानसिक तनाव को कम करती हैं। योग जीवन को गहरे अर्थों की ओर ले जाता है, जिससे व्यक्ति में करुणा, सह–अस्तित्व और प्रकृति के प्रति श्रद्धा उत्पन्न होती है। पृथ्वी को आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखना हैं, तो केवल वैज्ञानिक उपाय ही नही,बल्कि योग भी एक ऐसी पद्धति है जो हमें सतत विकास, पर्यावरणीय संरक्षण और समग्र स्वास्थ्य की दिशा में मार्गदर्शन देता है।

मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कहा कि हठयोग, कुण्डलिनी योग, और शरीर साधना नाथ संप्रदाय का एक महत्वपूर्ण अंग है। नाथ योगियों ने न केवल भारत, बल्कि नेपाल, तिब्बत, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड आदि देशो में योग का प्रचार किया। उनकी परंपरा आज भी नेपाल के पशुपतिनाथ, गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर, और हिमालय के विभिन्न आश्रमों में जीवंत रूप में विद्यमान है। योग को केवल आत्मकल्याण के लिए नहीं, बल्कि मानवता के कल्याण के लिए एक क्रांतिकारी साधन के रूप में अपनाया।

योग अभ्यास के दौरान आयुर्वेद संकाय के विद्यार्थी साक्षी सिंह, सिमरन तिवारी, सिद्धांत श्रीवास्तव, अंजली, मोनी कुमारी, उत्कर्ष सिंह और हिमांशु गुप्ता ने योग मुद्राओं के अद्भुत, लय, संयोजन से शानदार योग नृत्य प्रस्तुत किया।

योगाभ्यास संचालन नीतीश दुबे, कोमल गुप्ता, सुमेश यादव, अमृतांजलि चौबे ने किया। योग दिवस पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम का आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे ने किया।

योगाभ्यास में प्रमुख रूप से प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, उपकुलसचिव श्री श्रीकांत, अकादमिक अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत मूर्ति, डॉ. रघुराम आचार्य, डॉ. मधुसूदन पुरोहित, प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. शशि कांत सिंह, श्री अश्वनी कुमार, शिक्षक डॉ. मिनी. के, डॉ. सुमित. एम, सूबेदार गुरनाम सिंह, नायक यूसुफ खान, लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. पवन कन्नौजिया, डॉ. विकास यादव, डॉ. प्रिया आर, डॉ. दीपू मनोहर, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. श्रीनाथ आर, डॉ. वैशाख आर, अनिल कुमार, रश्मि झा, कविता साहनी, सुमन यादव, वत्स त्रिवेदी, अविनाश कमल मिश्रा, आनंद मिश्रा, सन्नी, शारदानंद पांडेय, रवि यादव सहित सभी प्राध्यापक विद्यार्थी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के स्वयं सेवक उपस्थित रहे।

GPS Map Camera
Gorakhpur,Uttar Pradesh,India
Gorakhpur, Gorakhpur, Uttar Pradesh 273007, India
Lat 26.832008, Long 83.356183
06/21/2025 06:44 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
योगाभ्यास कार्यक्रम
(21 जून 2025 दिन- शनिवार)

अष्टावक्र, आत्रेय एवं भारद्वाज इकाई

योगाभ्यास करते हुए स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

दिनांकः 21 जून, 2025 को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एवं सशस्त्र सीमा बल फर्टीलाइजर में संयुक्त योगाभ्यास का आयोजन किया गया।

योगाभ्यास में आयुर्वेद कालेज में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई अष्टावक्र, आत्रेय, एवं भारद्वाज इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा एसएसबी गोरखपुर की टीम के साथ मिलकर अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एसएसबी कैंप, गोरखपुर में योग दिवस योगाभ्यास का आयोजन किया। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के दिशा–निर्देशों के अनुसार योग सत्र के साथ शुरू हुआ।

डॉ. श्री धर ने मोटापे और तनाव प्रबंधन पर जागरूकता और नियमित अंतराल पर अपने शरीर के वजन की जांच करने और वजन घटाने के व्यायाम, आहार और योग के नियमित अभ्यास सहित आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए।

इस सत्र के बाद युवाओं में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को कैसे रोकें पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह सत्र इस आदर्श वाक्य के साथ समाप्त हुआ कि योग का अभ्यास एक दिन के लिए नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इसे हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा होना चाहिए।

योग अभियान के मुख्य अतिथि श्री ए. हेमोचंद्र डीआईजी आरटीसी एसएसबी जीकेपी, श्री मुन्ना सिंह डीआईजी एसएचक्यू एसएसबी जीकेपी, श्री आर. के मिश्रा डीआईजी/मेड कम्पोजिट अस्पताल जीकेपी, श्री एम.डी. नवाब सहायक निदेशक एन.सी.बी जीकेपी एसएसबी टीम और जीजीआईएमएस की चिकित्सकीय समूह जिसमें डॉ. श्रीधर शेखरप्पा लक्कुंडी, एचओडी पंचकर्म, जीजीआईएमएस और डॉ. श्रीनाथ आर, सहायक प्रोफेसर, द्रव्यगुण विज्ञान और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कालेज विद्यार्थी उपस्थित रहे। बीएएमएस वागभट्ट और नागार्जुन बैच के द्वारा इस कार्यक्रम प्रतिभाग किया गया।

पिछले छः दिन से संचालित योग शिविर और प्रतियोगिता के आज समापन अवसर पर बीएएमएस विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सभी प्रतिभागियों को प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

प्रतिभा सम्मान

राष्ट्रीय सेवा योजना

उत्कर्ष सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते माननीय कुलपति एवं क्षेत्राधिकारी गोरखनाथ मंदिर

दिनांकः 27 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं उत्तर प्रदेश पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में संचालित छात्र पुलिस अनुभवात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम (फेज 2.0) के अंतर्गत विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के 'स्वयंसेवक उत्कर्ष सिंह ने सोशल मीडिया पोस्टिंग श्रेणी में उत्तर प्रदेश स्तर पर पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्तर प्रदेश पुलिस एवं भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से संचालित किया गया, जिसमें प्रदेशभर से चयनित प्रतिभागियों ने भाग लिया। उत्कर्ष सिंह को यह प्रशस्ति पत्र उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक (नियम एवं ग्रंथ विभाग) द्वारा जारी किया गया, जिसे कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह एवं क्षेत्राधिकारी गोरखनाथ मंदिर श्री विजय आनंद शाही द्वारा प्रदान किया गया।

इस अवसर पर कुलपति महोदय ने कहा– 'प्रदेश स्तर पर उत्कर्ष द्वारा प्राप्त यह स्थान विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व व सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करते हैं। ऐसे छात्र भविष्य में पुलिस मित्र बनकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम होंगे।' क्षेत्राधिकारी एवं पुलिस विभाग के जनपद नोडल अधिकारी श्री विजय आनंद शाही ने अपने विस्तारपूर्ण वक्तव्य में कहा– 'इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को पुलिस व्यवस्था के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना तथा उनके भीतर सेवाए सुरक्षा और सहयोग की भावना को जागृत करना था। गोरखपुर जैसे महत्वपूर्ण जनपद से छात्रों का इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन न केवल विश्वविद्यालय, बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। एनएसएस के माध्यम से छात्र समाज के प्रति जिम्मेदारी को समझते हैं और अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था एवं सूचना संप्रेषण जैसे विषयों में भी जागरूक होते हैं। यह प्रशिक्षण भविष्य में समाज और पुलिस के बीच सेतु का कार्य करेगा।' 'मैं विश्वविद्यालय प्रशासन, विशेषकर एनएसएस समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे को इस सफल समन्वय हेतु धन्यवाद देता हूँ।

ऐसी सहभागिता पुलिस एवं शिक्षा के बीच सशक्त समन्वय का उदाहरण है।' कृषि संकायाध्यक्ष डॉ. विमल दुबे ने कहा–कि 'उत्कर्ष सिंह की इस उपलब्धि ने यह सिद्ध किया है कि यदि छात्रों को सही मार्गदर्शन एवं मंच मिले तो वे किसी भी स्तर पर सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों में सामाजिक चेतना, नेतृत्व क्षमता और संप्रेषण कौशल का अभूतपूर्व विकास करते हैं। यह सफलता न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि विश्वविद्यालय की अकादमिक एवं नैतिक दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हम विभागीय स्तर पर भी छात्रों को ऐसी पहल हेतु प्रेरित करते रहेंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक शिक्षा विभाग के जनपद नोडल अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से हम छात्रों को समाज सेवाए नेतृत्व विकास और राष्ट्रीय दायित्व की ओर प्रेरित कर रहे हैं।

उत्कर्ष सिंह की यह सफलता अन्य छात्रों के लिए भी एक मिसाल बनेगी। विश्वविद्यालय एवं पुलिस विभाग के संयुक्त प्रयासों से यह कार्यक्रम एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित हुआ है। एनएसएस भविष्य में भी ऐसे नवाचारों एवं सहभागिताओं के लिए तत्पर रहेगा।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

नवाचार

आयस्टर मशरूम के साथ कैडेट अमित चौधरी

राष्ट्रीय कैडेट कोर

दिनांकः 04 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कृषि संकाय के छात्र और 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स अमित चौधरी ने कृषि क्षेत्र में आयस्टर मशरूम की कर एक नए नवाचार से सभी को प्रेरणा दिया।

कैडेट अमित चौधरी ने कृषि की बारीकी अपने पिता से ग्रहण किया। कृषि क्षेत्र में नए स्टार्टअप के लिए अमित चौधरी ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे और शिक्षक डॉ. विकास यादव के कुशल निगरानी में आयस्टर मशरूम की खेती पर अन्वेषकीय कार्य करने का संकल्प पूरा किया। आधुनिक तकनीकों और नवाचारों के माध्यम से खेती को नया आयाम देने के लिए कैडेट अमित चौधरी निरंतर प्रयोगशाला में भी मिट्टी के उत्पादकता पर भी कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स भी कृषि क्षेत्र में नवाचारों को अपनाकर देश के ग्रामीण विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। अमित चौधरी ने 'आयास्टर मशरूम' की खेती को बढ़ावा देकर एक महत्वपूर्ण पहल किया है, जो न केवल आर्थिक रूप से लाभदायक है, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल और स्वास्थ्यवर्धक भी है।

आयास्टर मशरूम (Oyster Mushroom), जिसे हिन्दी में 'दाल री मशरूम' कहा जाता है, एक स्वादिष्ट, पौष्टिक और आसानी से उगाई जाने वाली खाद्य फसल है। इसकी खेती कम लागत, कम समय और कम स्थान में संभव है। यह नवाचार उन क्षेत्रों के लिए वरदान साबित हो सकता है जहां परंपरागत खेती कठिन या अलाभकारी हो रही है। कृषि संकाय के स्नातक तृतीय वर्ष के छात्र एवं 102 यूपी बटालियन के कैडेट अमित कुमार चौधरी ने विश्वविद्यालय परिसर में ऑयस्टर मशरूम का सफलतापूर्वक उत्पादन कर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। सीमित संसाधनों में उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ मशरूम उत्पादन कर कम लागत में भी लाभकारी एवं व्यावसायिक

उद्यमिता, नवाचार और व्यावहारिक दक्षता को बढ़ावा दिया है। कैडेट् मशरूम की पैकेजिंग, ब्रांडिंग और बाजार तक पहुंच के लिए भी प्रयासरत है। 102 यूण्पी बटालियन गोरखपुर के अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कैडेट अमित चौधरी के स्टार्टअप की सराहना करते हुए कहा कि कैडेट् अमित ने इस नवाचार से ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले कैडेट्स के लिए रोल मॉडल बनेंगे जिससे अन्य कैडेट्स को भी प्रेरणा मिलेगा। सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचारए स्थानीय मेलों में प्रदर्शन और सहकारी समितियों से जोड़कर आयास्टर मशरूम को एक सफल कृषि उत्पाद के रूप में विकसित किया गया।

इस नवाचार का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह सतत कृषि (Sustainable Agriculture) को बढ़ावा देता है। मशरूम उत्पादन में जल की कम आवश्यकता होती है और यह फसल चक्र में फालतू जैविक कचरे को खाद के रूप में उपयोग करता है, जिससे पर्यावरणीय लाभ भी होता है।

एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कैडेट अमित चौधरी की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि एनसीसी कैडेट्स की यह पहल आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत युवाओं को स्वरोजगार की ओर अग्रसर कर रही है। यह प्रयास न केवल आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में है, बल्कि समाज में नवाचार, नेतृत्व और सेवा भावना को भी बढ़ावा देगा ।

आयास्टर मशरूम की खेती को बढ़ावा देकर एनसीसी कैडेट्सनेयह सिद्ध कर दिया है कि वे केवल राष्ट्र की रक्षा में ही नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने में भी अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं।

इस नवाचार के माध्यम से भविष्य में कृषि को एक नई दिशा मिलेगीए जो युवा नेतृत्व की क्षमता और संकल्प को दर्शाता है। अमित चौधरी के स्टार्टअप पर सभी कैडेट्स ने बधाई और शुभकामना दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस

राष्ट्रीय कैडेट कोर

विश्व पर्यावरण दिवस पर राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स के साथ पौधरोपण करते हुए माननीय कुलपति

दिनांकः 05 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालयए गोरखपुर के 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण कर प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कैडेट्स के साथ पौधारोपण कर प्रकृति के संरक्षण के साथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं यशस्वी मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश परमपूज्य श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के स्वस्थ दीर्घायु जीवन की कामना किया ।

कुलपति जी ने कहा कि यह दिन न केवल प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है, बल्कि यह अवसर हमें अपने जीवनशैली में प्रकृति के अनुकूल परिवर्तन लाने की प्रेरणा देता है।

हमारे एनसीसी कैडेट्स ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण करके पर्यावरण सरंक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल किया है। कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि पौधारोपण केवल प्रतीकात्मक कार्य नहीं है, यह एक जीवंत क्रांति है। एक पेड़ लगाने का मतलब है एक नई सांसों की फैक्ट्री लगाना। पौधारोपण केवल रस्म नहीं है, यह एक कर्तव्य है, एक संकल्प हैए जिसे हमें जीवन पर्यंत निभाना है।

प्रकृति हमारी माँ के समान है। उसे सम्मान देना, उसकी रक्षा करना और उसके साथ तालमेल बनाकर जीना हमारी संस्कृति की परंपरा रही है। एनसीसी कैडेट्स जब इस दिशा में कार्य करते हैं, तो वे न केवल राष्ट्र रक्षा कर रहे होते हैं, बल्कि धरती माता की रक्षा भी कर रहे होते हैं।

एनसीसी का मूल मंत्र है 'एकता और अनुशासन' और आप सबने आज उसे 'पर्यावरणीय एकता' और 'प्राकृतिक अनुशासन' में रूपांतरित किया है। आपकी यह पहल विश्वविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। एनसीसी कैडेट्स ने जो पौधे आज लगाए हैं, वे कल छाया, ऑक्सीजन, फल, औषधि और जीवन देंगे। आप सभी ने यह सिद्ध कर दिया कि अनुशासन और सेवा का भाव केवल परेड या शिविरों तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह समाज सेवा के हर क्षेत्र में लागू होता है।

इस पौधारोपण कार्यक्रम के माध्यम से हम सभी ने एक संकल्प लिया है कि हम न केवल हरित भारत की कल्पना करेंगे, बल्कि उसे साकार करने में भी अग्रणी भूमिका निभाएंगे। हमारा विश्वविद्यालय, हमारे छात्र, हमारे कैडेट्स– सभी मिलकर यदि एक कदम भी पर्यावरण की दिशा में आगे बढ़ाते हैं, तो वह हजारों कदमों की प्रेरणा बन जाता है।

एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज पूरा विश्व पर्यावरण की समस्या से जूझ रहा है पर्यावरण संतुलन और प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए जरूरी है कि हम अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करने का संकल्प लें।

पेड़ प्रकृति का छाता है अगर इसे हमने काट दिया तो प्रकृति की छांव से पूरी धरती वीरान हो जाएगी। प्रकृति के प्रति हमें संवेदनशील होना होगा। जमीनी स्तर पर हमें पौधारोपण करना होगा नहीं तो प्रकृति के कोप दुष्परिणाम से हमारे भावी पीढ़ी को झेलना होगा । पौधारोपण में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी ने शुभकामना दिया।

कार्यक्रम में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की अधिष्ठाता डॉ. डी.एस. अजीथा, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील सिंह, पैरामेडिकल के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. मिनी के. डॉ. धीरेन्द्र सिंह, डॉ. प्रेरणा अदिति, सृष्टि यदुवंशी, सुश्री रश्मि शाही, अनुकृति राज, कार्यक्रम अधिकारी श्रीनाथ आर, वैशाख आर., श्री साध्वी नन्दन पाण्डेय, श्री अनिल कुमार पटेल, श्री धीरज कुमार, श्रीमती रश्मि झा कार्यक्रम में एनएसएस के स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। पौधारोपण में प्रमुख रूप से सार्जेंट खुशी गुप्ता अर्पिता राय, शिखर पाण्डेय, अभिषेक मिश्रा, आशुतोष सिंह, अनुभव पाण्डेय,

राष्ट्रीय शिविर-सीमा दर्शन टूर एण्ड ट्रैक

कैडेट्स को सम्मानित करते हुए माननीय कुलपति

राष्ट्रीय कैडेट कोर

दिनांकः 11 जून, 2025 को सीमा दर्शन टूर एंड ट्रैक राष्ट्रीय शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्तर प्रदेश दल का नेतृत्व कर राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया।

आठ दिवसीय सैन्य प्रशिक्षण शिविर से लौटे लांस कॉरपोरल हर्षव साहनी, कैडेट अरुण विश्वकर्मा और आलोक दीक्षित को विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह जी ने नेतृत्व क्षमता, समर्पण और राष्ट्र सेवा के लिए सम्मानित किया।

कुलपति जी ने कैडेट्स को बधाई देते हुए कहा कि सीमा दर्शन शिविर कैडेट्स को भारतीय सेना के कार्य शैलीएसंस्कृति और आत्मबल से जोड़ने की प्रेरणा देता है। बरेली से धारचूला तक की यह यात्रा देशप्रेम, साहस, और त्याग की जीवंत पाठशाला है।

बरेली ग्रुप के अंतर्गत चयनित 40 कैडेट्स ने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जनपद के धारचूला क्षेत्र में ओम पर्वत की चुनौतीपूर्ण रोमांचकारी ट्रैकिंग को पूर्ण कर सैन्य जीवन के समर्पण को करीब से देखने का सौभाग्य ग्रहण किया है ।

राष्ट्रीय कैडेट कोर का यह प्रयास देश के भविष्य को सशक्त, समर्पित और अनुशासन बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। शिविर से लौटे कैडेट्स को कुलपति जी ने सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया ।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आठ दिवसीय राष्ट्रीय शिविर में 102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय से कुल 5 कैडेट्स का चयन राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ था। लांस कॉरपोरल हर्षव साहनी 40 सदस्यीय दल का नेतृत्व किया।

कैडेट अरुण विश्वकर्मा और आलोक दीक्षित ने चिकित्सीय दल के साथ कैडेट्स को प्राथमिक सेवा करके साथी कैडेटों का मनोबल बढ़ाया।

राष्ट्रीय शिविर में सम्मिलित कैडेट्स को गोरखपुर एनसीसी मुख्यालय ब्रिगेडियर परिमल भारती, एस.एम. कर्नल बी के शर्मा, 102 यू पी बटालियन के लेफ्टीनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, जे.सी.ओ. सूबेदार धनेश माने, हवलदार अनूप पांडेय, जे. सी. आई कविता गुप्ता सहित विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. प्रशांत मूर्ति, डॉ. डी. एस. अजीथा, प्रो. गिरिधर वेदांत, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. रोहित श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षकों ने कैडेट्स को बधाई दिया।

माय भारत पोर्टल एवं संचेत ऐप पंजीकरण

दिनांक: 13 जून, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय से मिले निर्देश पर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर यूनिट्स ने भारत सरकार द्वारा विकसित डिजिटल प्लेटफॉर्म्स "My Bharat App" और 'संचेत ऐप (SANCHEt~ – System Alert for Natural and Civil Hazards using Technology)", को कैडेट्स ने ऑनलाइन पंजीकरण कर शत प्रतिशत भागदारी सुनिश्चित किया।

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा कि 21वीं सदी के स्वर्णिम भारत में डिजिटल नागरिकता, आपदा प्रबंधन और युवाओं की भागीदारी को सशक्त बनाने की दिशा में यह ऑनलाइन ऐप ऐतिहासिक कदम हैं। इन प्लेटफॉर्म्स का मूल उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सशक्त रूप से जोड़ना और नागरिकों को प्राकृतिक आपदाओं के प्रति समय पर सचेत करना है।

इन्हीं उद्देश्यों से राष्ट्रीय कैडेट कोर ने पूरे देश में एक डिजिटल सशक्तिकरण अभियान चलाया, जिसके तहत कैडेट्स द्वारा दोनों प्लेटफॉर्म्स पर 100: पंजीकरण सुनिश्चित किया गया। यह कदम न केवल कैडेट्स की जागरूकता और तकनीकी दक्षता को दर्शाता है, बल्कि देश के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और सेवा भावना का सशक्त प्रतीक भी है। ऑनलाइन पंजीकरण में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने ए एन ओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में दोनों एप पर शत–प्रतिशत पंजीकरण का लक्ष्य पूरा कर सहयोग किया है।

“My Bharat App” और "Sanchet App" पर शत–प्रतिशत पंजीकरण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह डिजिटल राष्ट्रवाद की भावना को दर्शाता है। यह पहल एक उदाहरण है कि किस प्रकार युवा शक्ति–विशेषकर एनसीसी कैडेट्स – डिजिटल भारत को मजबूत करने, आपदाओं से निपटने और समाज को जागरूक बनाने में प्रमुख भूमिका निभा सकती है। एनसीसी का यह प्रयास हमें यह सिखाता है कि

राष्ट्रीय कैडेट कोर

देश सेवा केवल हथियारों से नहीं, बल्कि मोबाइल और तकनीक के माध्यम से भी संभव है – जब उद्देश्य जनहित, राष्ट्र रक्षा और सामाजिक जागरूकता हो।

एडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने बताया कि मेरा युवा भारत (My Bharat app) नाम दिया गया है, युवाओं को राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ने के लिए एक अभिनव डिजिटल पहल है। इस ऐप के माध्यम से युवा स्वयंसेवी कार्यों, नेतृत्व प्रशिक्षण, कौशल विकास कार्यक्रमों, सरकारी अभियानों और राष्ट्रीय सेवाओं में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से युवाओं में नेतृत्व, सेवा और राष्ट्र भक्ति भावना के साथ देशभर में फैले युवा संगठनों और सेवाभावी संस्थाओं से जोड़कर डिजिटल माध्यम से योग्यता आधारित अवसरों तक पहुँच प्रदान करना है।

एनसीसी कैडेट्स, जो पहले से ही अनुशासन, सेवा और नेतृत्व की मिसाल होते हैं, वे इस ऐप पर पंजीकरण कर सैन्य प्रशिक्षण में ही नहीं, बल्कि डिजिटल राष्ट्र निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही संचेत ऐप : आपदा प्रबंधन में तकनीक का सशक्त उपयोग "SANCHET" भारत सरकार का एक नेशनल डिजास्टर अलर्ट पोर्टल है जो देश के नागरिकों को प्राकृतिक आपदाओं – जैसे भूकंप, बाढ़, चक्रवात, तूफान, भारी वर्षा, लैंडस्लाइड आदि के बारे में समय पर अलर्ट भेजने का कार्य करता है।

इस ऐप के माध्यम से आम नागरिकों को पूर्व चेतावनी दी जाती है की जीवन और संपत्ति की संभावित हानि से बचाव कैसे किया जाता है। एनसीसी आपदा प्रबंधन में एक सहायक बल के रूप में कार्य करता है, उसके कैडेट्स का इस ऐप पर पंजीकरण एक रणनीतिक उपलब्धि है। इससे आपात स्थिति में कैडेट्स न केवल स्वयं सतर्क रहेंगे, बल्कि अपने समाज को भी सुरक्षित रखने में सहयोग कर सकेंगे। पूर्ण विश्वास है यह दोनों ऐप एनसीसी को स्मार्ट और तकनीकी रूप से सशक्त बल बनाने की दिशा में मील का पत्थर हैं।

थल सेना शिविर चयन प्रतियोगिता

राष्ट्रीय कैडेट कोर

कैडेट्स को थल सेना शिविर की जानकारी देते हुए ले. कर्नल मिथुन मिश्रा एवं ले. कर्नल अभिषेक मान सिंह

दिनांकः 16 जून, 2025 को थल सेना राष्ट्रीय कैडेट कोर की प्रथम स्क्रीनिंग केवल एक चयन प्रक्रिया नहीं, बल्कि वह प्रवेशद्वार है जहाँ से भविष्य के देशसेवकों की यात्रा शुरू होती है।

यह प्रक्रिया न केवल कैडेट्स की योग्यता का मूल्यांकन करती हैए बल्कि उनमें नेतृत्व, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के बीज भी बोती है। यह स्क्रीनिंग उन्हें एक सैनिक की सोच, जीवनशैली और जिम्मेदारी के प्रति तैयार करती है, जिससे वे न केवल एक अच्छा एनसीसी कैडेट बनेंए बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक और सशक्त राष्ट्र निर्माता भी सिद्ध हों।

थल सेना राष्ट्रीय कैडेट्स कोर के प्रथम चरण के चयन का आयोजन मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रांगण में कड़े सैन्य प्रतिस्पर्धा के साथ हुआ।

इस शिविर में कैडेट्स का चयन लिखित परीक्षा, ड्रिल, मैप रीडिंग, हेल्थ एंड हाइजीन, जैसे विषयों से संबंधित परीक्षा हुई।

प्रथम चरण चयन प्रक्रिया में 102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय से जुड़े 35 विद्यालयों के कुल 210 कैडेट्स परीक्षा में सम्मिलित हुए। जिसमें से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट्स कोर से 9 कैडेट्स ने प्रथम चरण के चयन प्रक्रिया में सम्मिलित हुए। और द्वितीय चरण के लिए कुल 45 कैडेट्स का चयन हुआ जिसमें से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट्स कोर से कुल 6 कैडेट्स का चयन हुआ।

द्वितीय चरण चयन प्रक्रिया पीएसएम पीजी कॉलेज आनंदनगर में ऑब्स्टेकल ट्रेनिंग कराया गया। जिसमें 102 यूपी बटालियन गोरखपुर से कुल 45 कैडेट्स इस ऑब्स्टेकल ट्रेनिंग में सम्मिलित हुए। जिसमें से 6 कैडेट्स महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर से सम्मिलित हुए थे।

एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि थल सेना राष्ट्रीय कैडेट्स कोर शिविर के चयन की प्रक्रिया में कैडेट्स की लिखित परीक्षा और शारीरिक परीक्षण होती है।

बटालियन पर कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टीनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, जे. सी. ओ धनेश मान, हवलदार विपिन त्रिपाठी, अजित राज, कदम सिंह, नंदलाल सिंह, यूसुफ खान, जी के निर्देशन में चयन प्रक्रिया हुआ।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर से अंडर आफिसर मोतीलाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया, अमित चौधरी, अनुभव, आशुतोष सिंह, अभिषेक मिश्रा, अनुभव पांडेय, शिखर पांडेय, वसुंधरा सिंह सम्मिलित हुए।

सैन्य अधिकारियों द्वारा सैन्य जीवन और अन्य कई विषयों पर चर्चा की गई। अंत में, 102 बटालियन के उच्च अधिकारियों से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ और उन्होंने हमें कई प्रेरणादायक शब्द दिए और अगले टीएससी कैंप के अगले चरण के लिए प्रोत्साहित किया।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस

राष्ट्रीय कैडेट कोर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग नृत्य प्रस्तुत करते विद्यार्थी एवं दीप प्रज्ज्वलन करते माननीय कुलपति आयुर्वेद प्राचार्य एवं ले. क. मिथुन मिश्रा

दिनांकः 21 जून, 2025 महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को भव्य रूप से मनाया गया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कैडेट कोर 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कहा कि नाथ योगियों ने न केवल भारत, बल्कि नेपाल, तिब्बत, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड आदि में भी योग का प्रचार किया। उनकी परंपरा आज भी नेपाल के पशुपतिनाथ, गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर, और हिमालय के विभिन्न आश्रमों में जीवंत रूप में विद्यमान है।

नाथ संप्रदाय में हठयोग, कुण्डलिनी योग और शरीर साधना महत्वपूर्ण है।

नाथ योगियों ने योग को केवल आत्मकल्याण के लिए नहीं, बल्कि मानवता के कल्याण के लिए एक क्रांतिकारी साधन के रूप में अपनाया।

नाथ योगियों की रचनाओं जैसे हठयोग प्रदीपिका, गोरक्षशतक, गोरक्षसंहिता आदि में आसन, प्राणायाम, बंध, मुद्राएं और ध्यान की विधियों का केंद्रित किया गया है। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने ताड़ासन,

वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी, प्राणायाम, अनुलोम–विलोम आदि विभिन्न योग मुद्राओं एवं प्राणायामों का अभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आयुर्वेद और योग के समन्वय को प्रोत्साहित करना रहा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि योग तनाव से मुक्ति देता हैं, जो शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्तर पर संतुलन बनाने की कला है।

वर्तमान परिवेश में युवाओं में तनाव ज्यादा है नियमित योगा के अभ्यास से योगा आपके जीवन को बदलने में संजीवनी देगा। प्राचीन योग परंपरा को अपने जीवन में दिव्यता के साथ ग्रहण करने का सौभाग्य मिला है।

योग हमें सिखाता है कि हम प्रकृति से अलग नहीं हैं, बल्कि उसी का हिस्सा हैं। योग जीवन के गहरे अर्थों की ओर ले जाता है, जिससे व्यक्ति में करुणा, सह–अस्तित्व और प्रकृति के प्रति श्रद्धा उत्पन्न होती है।

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने योग के महत्व पर कहा कि 'योगः कर्मसु कौशल', यानी योग कर्मों में कुशलता है दृ यह केवल ग्रंथों में नहीं, आपके जीवन में उतरना चाहिए।

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, यह एक जीवनशैली है, एक अनुशासन है, जो मन, शरीर और आत्मा को एक संतुलित अवस्था में लाता है।

एनसीसी का मूल उद्देश्य हैः 'एकता और अनुशासन', और योग इन दोनों मूल्यों को सशक्त करता है। योग हमें मानसिक रूप से स्थिर, शारीरिक रूप से सुदृढ़ और आत्मिक रूप से सजग बनाता है, जो हर एनसीसी कैडेट के लिए अत्यंत आवश्यक है।

प्रशिक्षण के दौरान आने वाली थकान, मानसिक दबाव और समय प्रबंधन की चुनौतियों को योग द्वारा दूर किया जा सकता है। प्राणायामए ध्यान और विभिन्न आसन न केवल स्वास्थ्य को बेहतर बनाते है, बल्कि आत्मविश्वास, सहनशीलता, संयम और सकारात्मक सोच का भी विकास करते है। एक अच्छा नागरिक और सैनिक बनने के लिए योग एक अचूक साधन हैं।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी को योग दिवस की शुभकामना दिया।

योगाभ्यास में प्रमुख रूप से प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, उपकुलसचिव श्री श्रीकांत, अकादमिक अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत मूर्ति, डॉ.रघुराम आचार्य, डॉ. मधुसूदन पुरोहित, प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. शशि कांत सिंह, एम, सूबेदार गुरनाम सिंह, नायक यूसुफ खान, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया, लांस कॉरपोरल हर्षव साहनी, कैडेट नीलेश कुमार यादव, अभिषेक मिश्रा, शिखर पाण्डेय, आलोक दीक्षित, अरुण विश्वकर्मा, पार्वती साहनी, अभिषेक सिंह, अर्पिता राय, रघुवीर सिंह, अरविंद विश्वकर्मा, भानु प्रताप सिंह, आदर्श मौर्या आदि ने योगाभ्यास किया।

एसएसबी साक्षात्कार

दिनांकः 23 जून, 2025 भारतीय सेना और सशस्त्र बलों में अधिकारी बनने का स्वप्न हर देशभक्त युवा के मन में होता है। इस सपने को साकार करने का माध्यम है– सेवा चयन बोर्ड एसएसबी इंटरव्यू, जो चयन की सबसे प्रतिष्ठित और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है। यह केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक, बौद्धिक और नेतृत्व क्षमता की कसौटी है। राष्ट्रीय कैडेट कोर मे एसएसबी के सुपर 50 कैडेट्स के चयन प्रक्रिया के प्रथम स्क्रीनिंग का आयोजन 102 यू पी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय के मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्रगाढ़ में कड़े सैन्य प्रतिस्पर्धा के साथ हुआ। सुपर 50 में 102 यू पी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय से जुड़े 35 विद्यालयों के कुल 142 कैडेट्स ने स्क्रीनिंग परीक्षा में सम्मिलित हुए।

इस कार्यक्रम में चयनित युवाओं को विशेषज्ञों द्वारा साक्षात्कार, साइकोलॉजिकल टेस्ट, ग्रुप डिस्कशन, पीआई, आउटडोर टास्क आदि की गहन तैयारी कराई जाती है।

एनसीसी कैडेट्स की भूमिका और चयन एनसीसी कैडेट्स, जिनका जीवन ही 'एकता और अनुशासन' के आदर्श पर

राष्ट्रीय कैडेट कोर

आधारित होता है, एसएसबी की आवश्यकताओं के अनुकूल होते हैं। उन्होंने पहले ही एनसीसी और एसएसबी सर्टिफिकेट, कैंप ट्रेनिंग, लीडरशिप एक्टिविटी, सोशल सर्विस और पीटी जैसे क्षेत्रों में खुद को सिद्ध किया होता है।

एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि एसएसबी चयन प्रक्रिया और एनसीसी कैडेट्स की तैयारी एसएसबी चयन प्रक्रिया 5 दिनों की गहन मानसिक और व्यवहारिक परीक्षा होती है। एसएसबी इंटरव्यू के 'सुपर 50' में एनसीसी कैडेट्स का चयन भारत की युवा शक्ति की सच्ची पहचान है। यह प्रमाण है कि संघर्ष, अनुशासन, सेवा और नेतृत्व की भावना से परिपूर्ण युवाए न केवल अपने जीवन को बदल सकते हैं, बल्कि देश की सुरक्षा और समृद्धि में भी अमूल्य योगदान दे सकते हैं। एन सी सी का प्रशिक्षण न केवल युवाओं को बेहतर नागरिक बनाता है, बल्कि वह उन्हें आर्मी ऑफिसर, प्रशासनिक अधिकारी और समाज के स्तंभ बनने की दिशा में भी मार्गदर्शन करता है। एसएसबी मॉक इंटरव्यू में पर्सनालिटी डिवेलपमेंट सेशन, न्यूज़ एनालिसिस और कम्युनिकेशन स्किल ट्रेनिंग दिया गया।

सीमा दर्शन शिविर

हरयश्व कुमार साहनी

राष्ट्रीय कैडेट कोर

मैं हरयश्व कुमार साहनी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में बीएससी एग्रीकल्चर तृतीय वर्ष का छात्र हूँ। विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन एनसीसी का कैडेट हूँ। एनसीसी शिविर के राष्ट्रीय शिविर सीमा दर्शन में सम्मिलित होने की लिए बहुत ही उत्साहित था। परेड के दौरान ए.एन.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव सर ने कैम्प के अनुभवों और चुनौतियों के लिए समय–समय पर कड़े अभ्यास से शारीरिक और मनोवैज्ञानिक रूप से हमें तैयार किया। सीमा दर्शन ट्रैक बरेली शिविर के साथ उत्तराखंड के धारचूला और ॐ पर्वत के प्राकृतिक विराट स्वरूप को करीब से देखने का सौभाग्य एक स्वप्न जैसा था।

शिविर में सम्मिलित होने से पूर्व कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टीनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह सर, अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा सर, ने मेरा और मेरे साथी आलोक दीक्षित और अरुण विश्वकर्मा को शिविर का निर्देश देकर उत्साहित किया। राष्ट्रीय शिविर सीमा दर्शन ट्रैक टूर ने भारत की सीमाओं की सुरक्षा में तैनात जाबांज योद्धाओं से मिलने और सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी को करीब से देखने का अवसर मिला। किस तरह भारतीय सेना दुश्मन और प्राकृतिक चुनौतियों से दिन रात चाक चौबंद रहका मुस्तैदी से हमारी सुरक्षा करते है। सैन्य जीवन के देखने समझने और उस वातारण में रहने के अवसर ने मेरे जीवन लक्ष्य को बदलने का नया अनुभव दिया। मैने न केवल शारीरिक प्रशिक्षण और अनुशासन के महत्व को समझाए बल्कि नेतृत्व कौशल और टीम वर्क के बारे में भी सीखा।

सीमा दर्शन कैंप, रॉक क्लाइंबिंग ट्रेनिंग कैंप और ऑल इंडिया ट्रेकिंग कैंप में भाग लेने से मेरे अंदर विभिन्न चुनौतियों का सामना करने और अपने कौशल को विकसित करने का अवसर मिला। शिविर में सैन्य जीवन के बारे में जानने के साथ–साथ जवानों के प्रति गर्व और सम्मान की भावना भी विकसित हुआ।

एनसीसी शिविर में व्यक्तित्व निर्माण के साथ नेतृत्व क्षमता, विपरीत परिस्थितियों में किसी भी चुनौती को स्वीकार कर निर्णय लेने की क्षमता को नया आयाम मिला।

इस शिविर ने मेरे जीवन के लक्ष्य को नई ऊर्जा और प्रेरणा दिया है

देश के जवानों के प्रति गर्व और सम्मान की भावना वास्तव में सराहनीय है। सैनिक छावनी में भारतीय सेना के साथ बीते 10 दिन में महसूस किया कि हमारे जवान कितनी कठिन परिस्थितियों में भी देश की सेवा करते हैं और उनकी निष्ठा और समर्पण वास्तव में प्रेरणादायक है।

इस अनुभव के लिए मै महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह जी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी, सहित सभी प्राचार्य, अधिष्ठाता और शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट करता हूं जिनके प्रेरणा कुशल नेतृत्व में सीमा दर्शन ट्रैक टूर शिविर में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला।

राष्ट्रपति के स्वागत मॉकड्रिल

राष्ट्रीय कैडेट कोर

भारत गणराज्य की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू जी के स्वागत से पूर्व मार्क ड्रिल करते एनसीसी कैडेट्स

दिनांकः 28 जून, 2025 महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्याल्य, उत्तर प्रदेश के शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में तेजी से उभरता हुआ एक प्रमुख संस्थान है। यह विश्वविद्यालय न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है, बल्कि राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी अपने विद्यार्थियों में भरता है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में माननीय राष्ट्रपति महोदया के स्वागत हेतु एनसीसी कैडेट्स द्वारा किया गया मॉक ड्रिल न केवल एक आयोजन की तैयारी थीए बल्कि यह राष्ट्रसेवा, नेतृत्व, अनुशासन और समर्पण की भावना का जीवंत उदाहरण था। कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत एम, के प्रेरणास्पद मार्गदर्शन ने अभ्यास प्रशिक्षण अभियान का मार्ग प्रशस्त किया।

कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह जी ने राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि ये भारत की प्रथम नागरिक, माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू महोदया, विश्वविद्यालय में ऑडोटोरियम, पंचकर्म भवन, प्रशासनिक भवन और गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करने आ रही हैं जिसका साक्षी गोरक्षनगरी का कण कण बनेगा। इस महत्वपूर्ण अवसर पर कार्यक्रम की गरिमा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुएए विश्वविद्यालय प्रशासन ने राष्ट्रीय कैडेट कोर की भूमिका को अत्यन्त महत्वपूर्ण माना है ।

कुलपति महोदय ने विशेष रूप से एनसीसी कैडेट्स को एक मॉक ड्रिल (पूर्वाभ्यास) आयोजित करने के निर्देश दिए ताकि कार्यक्रम के सभी आयामों को सुचारू एवं अनुशासित ढंग से संचालित किया जा सके।

कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि एन सी सी कैडेट्स विश्वविद्यालय के अनुशासित और देशभक्त प्रतिनिधि हैं। जब राष्ट्रपति महोदया की गरिमामयी उपस्थिति विश्वविद्यालय में होंगी तो पूरे देश की निगाहें हम पर होंगी। इस कार्यक्रम में एनसीसी की भूमिका केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि अत्यंत व्यावहारिक और प्रेरणादायक होनी चाहिए। मॉक ड्रिल के माध्यम से हम आपकी तैयारियों को परखेंगे और हर छोटी से छोटी चूक को समय रहते दुरुस्त करेंगे।

कुलपति जी ने कहा कि विश्वविद्यालय का यह सौभाग्य है कि वह राष्ट्र की सर्वोच्च पदासीन अतिथि का स्वागत कर रहे है और एनसीसी कैडेट्स को यह गौरव प्राप्त हो रहा है कि वे इस ऐतिहासिक क्षण में सक्रिय भागीदारी करेंगे।

मॉक ड्रिल में एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रमुख रूप से राष्ट्रपति महोदया के आगमन पर स्वागत की तैयारी, सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा, कैडेट्स में अनुशासन, तालमेल और आत्मविश्वास का संचार एकार्यक्रम संचालन में एनसीसी की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करना साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया का अभ्यास किया गया।

कैडेट्स ने प्रोटोकॉल रिहर्सल में सुरक्षा नियमों, आगमन के मार्ग, वीआईपी मूवमेंट की व्यवस्था, आपातकालीन निकास मार्ग और वीवीआईपी विश्राम स्थल पर सुरक्षा घेरा आदि का अभ्यास किया । इस ड्रिल ने यह सिद्ध कर दिया कि जब युवा शक्ति को सही दिशा मिलती है, तो वह किसी भी राष्ट्रीय दायित्व को गरिमा और उत्कृष्टता के साथ निभा सकते है।

मॉक ड्रिल में प्रमुख रूप से अंडर आफिसर मोती लाल, अंडर आफिसर अंशिका सिंह, सार्जेंट खुशी गुप्ता, सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा, कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया, लांस कॉरपोरल हर्षव साहनी, कैडेट प्रियेश राम त्रिपाठी, भानुप्रताप सिंह, आशुतोष सिंह, सागर यादव, निकिता गौड, शिवम सिंह, श्रद्धा उपाध्याय, आंचल पाठक, चांदनी निषाद, अतिका तिवारी, गुड़िया कुशवाहा, अनुराधा विश्वकर्मा, अनुभव पाण्डेय, शिखर पाण्डेय, नीलेश यादव, ज्ञानेश्वर प्रताप मौर्या, आलोक सिंह, आदित्य पांडेय, अमन चौरसिया, आलोक दीक्षित, अर्पिता राय, उजाला सिंह, वसुंधरा सिंह, अरुण विश्वकर्मा, ममता गुप्ता, खुशी यादव, अरविंद विश्वकर्मा और मनीष गुप्ता ने सहयोग किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-२७३००७

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना
एवं
राष्ट्रीय कैडेट कोर

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in